मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 57, मुंबई, मंगलवार, 17 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

मुंबई में मूसलाधार बारिश से डूबा अंधेरी सबवे

यातायात प्रभावित, इन जिलों में जारी

रेड अलर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पश्चिम महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने कई इलाकों को प्रभावित किया है। रविवार शाम से मुंबई, ठाणे, कल्याण और वसई क्षेत्रों में बारिश तेज हो गई, जिससे मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है। सोमवार को मुंबई, रायगढ़, ठाणे और पालघर जिलों में जोरदार बारिश जारी रही। मुंबई में भारी बारिश के कारण जलभराव के कारण अंधेरी सबवे को बंद कर दिया गया है। स्थिति को संभालने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुंबई पुलिस मौके पर मौजूद है। भारी बारिश के कारण पवई में जलभराव की समस्या आ गई है। आईएमडी द्वारा मुंबई और उसके उपनगरों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किए जाने के बाद, नागरिकों को तटीय और निचले इलाकों से बचने की सलाह दी गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बंगाल के नागरिक को बना दिया अवैध बांग्लादेशी

बीएसएफ ने धकेल दिया देश के बाहर, फिर आ गया कहानी में ट्विस्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र पुलिस ने रोजगार की तलाश में घूम रहे एक व्यक्ति को अवैध बांग्लादेशी समझकर पश्चिम बंगाल के नागरिक को उठा लिया। सीमा सुरक्षा बल ने शनिवार तड़के उसे पड़ोसी देश की सीमा पर भेज दिया। इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के अनुसार, पश्चिम बंगाल पुलिस, राज्य प्रवासी कल्याण बोर्ड के हस्तक्षेप और भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने के बावजूद महाराष्ट्र पुलिस और बीएसएफ ने महबूब शेख को बांग्लादेश में धकेल दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पश्चिम बंगाल प्रवासी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष समीरुल इस्लाम ने बताया कि शेख के परिवार ने हमसे संपर्क किया जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। उन्हें सभी आवश्यक दस्तावेज भेज दिए गए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संतोष देशमुख हत्याकांड की सुनवाई टली

अब इस तारीख को होगा फैसला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड जिले में संतोष देशमुख हत्या मामले की सुनवाई स्थगित कर दी गई है। आज (17 जून) होने वाली सुनवाई अब 24 जून को होगी। विशेष मकोका अदालत के न्यायाधीश के छुट्टी पर होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई है। यह सुनवाई विशेष मकोका अदालत में होनी थी। वाल्मीक कराड के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के संबंध में आज बहस होने की संभावना थी। इस बीच, आज की सुनवाई में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जाने थे। हालांकि, न्यायाधीश की अनुपस्थिति के कारण सभी कार्यवाही स्थगित कर दी गई है और अगली तारीख 24 जून दी गई है। बीड के मासाजोग में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया। इस मामले में वाल्मीक कराड और अन्य आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की गई थी। इस घटना का आरोपी कृष्णा आंधले अभी भी फरार है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ऑनलाइन रम्मी ने किया 3 जिंदगियों का 'गेम ओवर'

पत्नी और मासूम बेटे को जहर देकर युवक ने की आत्महत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के एक छोटे से गांव में रविवार रात वह घटना घटी, जिसने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। एक मेहनतकश पिता, जिसने कभी अपने परिवार की खुशहाली के लिए ट्रैक्टर की स्टीयरिंग थामी थी, उसी ने एक रात में अपने पूरे परिवार का अंत कर डाला। वजह थी ऑनलाइन रम्मी गेम का खतरनाक नशा, बढ़ता कर्ज और मानसिक तनाव। 29 वर्षीय लक्ष्मण मारुती जाधव, बावी गांव का निवासी और ट्रैक्टर चालक था। परिवार में उसकी पत्नी तेजस्विनी और दो साल का बेटा था। दो ढाई साल पहले उसने प्रेम विवाह किया था। परिवार सामान्य तरीके से जीवन बिता रहा था, मगर पिछले कुछ महीनों से लक्ष्मण का व्यवहार बदलने लगा था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब क्या जरूरी है

ऑनलाइन गेम्स पर कानूनः सरकार को त्वरित रूप से ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकताः गांव-गांव तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। आर्थिक परामर्शः कर्ज में डूबे नागरिकों के लिए सरकारी आर्थिक परामर्श केंद्रों की स्थापना की आवश्यकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सही चिंता से प्रेरित

अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते में जिन क्षेत्रों को पूरी तरह खोलने के लिए भारत पर दबाव डाल रहा है, उन पर राजी होना उससे कहीं अधिक हानिकारक होगा, जितना लाभ अमेरिका से टैरिफ संबंधी रियायतें हासिल करने से मिलेगा।

लगभग 20 पूर्व नौकरशाहों और व्यापार विशेषज्ञों ने अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) से संबंधित जो सलाह दी है, वह देश हित की वास्तविक चिंता से प्रेरित है। इसलिए इसे केंद्र को गंभीरता से लेना चाहिए। इन वरिष्ठ विशेषज्ञों की सलाह है कि डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन भारत से अत्यधिक रियायतें झटकने पर अड़ा रहा हो, तो भारत तो बीटीए पर दस्तखत करने से इनकार कर देना चाहिए। अमेरिका जिन क्षेत्रों को पूरी तरह खोलने के लिए दबाव डाल रहा है, उन पर राजी होना उससे कहीं अधिक हानिकारक होगा, जितना लाभ अमेरिका से टैरिफ संबंधी रियायतें हासिल करने से मिलेगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय को लिखे पत्र में इन तजुर्बेकार शख्सियतों ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन के टैरिफ का कोई कानूनी आधार नहीं है। पूर्व कैबिनेट सचिव केएम चंद्रशेखर, पूर्व गृह सचिव जीके पिल्लै, डब्लूटीओ की अपीलीय संस्था के पूर्व अध्यक्ष उज्ज्वल सिंह भाटिया और पूर्व विदेश सचिव अमरेंद्र खटुआ सहित कई अर्थशास्त्रियों ने पत्र में कहा है कि अमेरिका से जारी मौजूदा वार्ता सामान्य किस्म की नहीं है। इसकी असामान्य प्रकृति को अवश्य ध्यान में रखा जाना चाहिए। ये वार्ता व्यापार संबंधी समस्याएं हल करने के लिए नहीं, बल्कि नए अमेरिकी आयात शुल्कों से राहत पाने के लिए है। पत्र में ध्यान खींचा गया है कि किसी वैध व्यापार प्रोत्साहन प्राधिकरण (टीपीए) की गैर-मौजूदगी के कारण मौजूदा अमेरिकी प्रशासन आयात शुल्कों में स्थायी कटौती के लिए अधिकृत नहीं है। निकट भविष्य में वह कोई व्यापार संबंधी रियायतें नहीं दे सकता। बीटीए पर वार्ता सिर्फ राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश से लागू टैरिफ से संबंधित है। पत्र के मुताबिक, इस स्थिति के कारण होने वाले किसी समझौते के टिकाऊपन को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं। गौरतलब है कि ऐसे तमाम प्रश्न अमेरिका के कई सहयोगी देशों के मन भी हैं। इसी कारण सिर्फ ब्रिटेन को छोड़ कर उनमें से किसी से अभी तक अमेरिका का समझौता नहीं हुआ है। चीन से सिर्फ व्यापार युद्ध में विराम पर सहमति बनी है। इस संदर्भ को देखते हुए विशेषज्ञों का हस्तक्षेप अहम हो जाता है। अतः भारत सरकार को फूंक-फूंक कर कदम रखना चाहिए।

सर्राफा कारोबारी से रंगदारी मामले में बदमाशों के नजदीक पहुंची टीम इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। यहां की गोविंद नगर पुलिस 50 लाख की रंगदारी मामले में फायरिंग करके फरार हुए बदमाशों के नजदीक पहुंच चुकी है जिसके फलस्वरूप पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता उन्हें बहुत जल्द गिरफ्तार करने में भी सफल होगी। पुलिस ने इस घटना के सटीक खुलासे के लिए अब तक अनेक लोगों से गहन पूछताछ भी की है, जिससे निकले निष्कर्ष के मुताबिक 50 लाख रंगदारी की मांग को लेकर सराफा कारोबारी पर फायरिंग करके दहशत फैलाने वाले अपराधी जल्द ही गिरफ्तार किए जाएंगे। क्योंकि टीम इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह की परिश्रम पूर्ण सक्रियता अब तक बदमाशों की काफी नजदीक पहुंच चुकी है। यह बात दीगर है कि गोविंद नगर के जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह के शिकंजे से बचने के लिए शायद ही कोई ऐसा हथकंडा बचा हो जो इन बदमाशों ने न अपनाया हो लेकिन विभिन्न जनपदों में इसके पहले भी अनेक शातिर अपराधियों को जेल भेजने के साथ ही गोविंद नगर के अपने अब तक के जुझारू कार्यकाल में भी आरोपियों की गिरफ्तारी सहित सभी घटनाओं का सटीक खुलासा करने वाले इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की अगुवाई वाली गोविंद नगर पुलिस की कठोर परिश्रम पूर्ण सक्रियता का जो परिणाम बहुत जल्द सामने आने वाला है, उसके फलस्वरूप फरार बदमाश बहुत जल्द सलाखों के पीछे होंगे। अवगत कराते चलें कि गत सप्ताह सर्राफा कारोबारी अनिल गुप्ता उर्फ गुड्डू पर बाइक सवार दो बदमाशों ने 50 लाख की गंगा जी की मांग पूरी करने को लेकर गोविंद नगर थाना क्षेत्र में फायरिंग की थी। फायरिंग के तुरंत बाद अज्ञात नंबर से धमकी भरा कॉल आया, जिसमें 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

विमान हादसा: किसी साजिश से तो नहीं?

अहमदाबाद में गुरुवार, 12 जून को हुआ विमान हादसा बेहद दुखद और चिंताजनक है। इससे भारत के विमानन क्षेत्र की प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को क्षति हुई है। हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर लोगों के मन में जो आश्वस्ति का भाव था, इस हादसे ने निश्चित रूप से उसको कमजोर किया है। जो जन हानि हुई है वह कितनी भयावह और पीड़ादायक है, इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे से पढ़ा जा सकता है। हादसे के अगले दिन 13 जून को जब वे स्थिति का जायजा लेने, सुरक्षा की समीक्षा करने और पीड़ित परिवारों से मिलने अहमदाबाद पहुंचे तो उनकी जो देह भंगिमा थी और चेहरे का जो भाव था उससे पता चला रहा था कि वे कितनी पीड़ा और चिंता में थे। उनके चेहरे पर उनका जो मनोभाव प्रकट हो रहा था उसे शब्दों में बयान कर पाना संभव नहीं है।

ध्यान रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 वर्ष के प्रधानमंत्रित्व काल में विमानन सेक्टर को नई उड़ान दी है। उनका यह वाक्य कि, ह्यहवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज से उड़ेगाह्न, भारत के विमानन सेक्टर की उड़ान और भारत के आम आदमी की इच्छाओं को प्रतीकित करने वाला है। पिछले 11 वर्षों में सरकार ने 80 से ज्यादा नए हवाईअड्डे बनाए। केंद्र सरकार की ह्यउड़ानह्न योजना के तहत दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में हवाईअड्डे बने और उनको राजधानी व महानगरों से जोड़ने के लिए उड़ानें शुरू हुईं। विमानन सेक्टर की इस तरक्की ने भारत के विकास में नए आयाम जोड़े।

भारत के मध्य वर्ग और निचले तबके के लोगों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया। जिस समय भारत का विमानन सेक्टर बड़ी छलांग लगा रहा था उसी समय आजाद भारत के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा विमान हादसा हुआ,

जिसमें करीब 275 लोगों की मौत हुई है। दुनिया में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली बोइंग 787 के ड्रीमलाइनर प्लेन की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। ध्यान रहे ड्रीमलाइनर विमान 14 साल पहले बाजार में आए थे और पिछले 14 साल में पहली बार यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया की उडान संख्या एआई-171 के हादसे को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं। विमानन सुरक्षा के जानकार अपने अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहे हैं। विमान के ब्लैक बॉक्स यानी फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से हादसे के कारणों का सही अंदाजा होगा। फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी एएआईबी को मिल गया है, जो इसकी जांच करेगी। एएआईबी के साथ कुल आठ एजेंसियां इस हादसे की जांच कर रही है। गुजरात पुलिस से लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए और एएआईबी की ब्रिटिश शाखा से लेकर नागरिक विमानन महानिदेशाल यानी डीजीसीए आदि सब जांच कर रहे हैं।

च से पहले कई जानकारों ने प्रारंभिक निष्कर्ष बताए हैं, जिनके मुताबिक यह धारणा बनी है कि किसी तकनीकी खामी की वजह से यह हादसा हुआ। टेकऑफ करने के बाद विमान सवा छह सौ फीट की ऊंचाई तक गया लेकिन वहां से ऊपर नहीं उठ सका। विमान के दोनों इंजन फेल हो गए और वह अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाईअड्डे के बाहर ही एक मेडिकल कॉलेज के ऊपर गिर गया। इस हादसे में मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों सहित 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। विमान में सवार चालक दल के सभी 12 सदस्य मारे गए और यात्रियों में एक रमेश विश्वास कुमार किस्मत वाले निकले जो बच गए। बाकी सभी 229 यात्री मारे गए। रमेश विश्वास कुमार सीट नंबर 11ए पर बैठे थे, जिसे आमतौर पर बहुत सुरक्षित नहीं माना जाता है। लेकिन इस हादसे में चमत्कारिक रूप से उनके बच जाने के बाद इस सीट के लिए लोगों में पागलपन सवार हो जाएगा। इसका कोई वैज्ञानिक डाटा नहीं है कि अमुक सीट ज्यादा सुरक्षित है। हर दुर्घटना अलग होती है और उसमें बचने वाले भी अलग अलग सीटों पर बैठे होते हैं। बहरहाल, हादसे को लेकर विशेषज्ञों ने जो कारण बताए हैं वे बहुत कॉमन हैं और सभी जानकार उसी लाइन पर इसका विश्लेषण कर रहे हैं। जैसे यह बताया जा रहा है कि सवा छह सौ फीट ऊंचाई पर जाने के बावजूद विमान का लैंडिंग गियर खुला हुआ दिखा या यह कि विमान को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल सका या विमान अत्यधिक नोज अप के साथ ऊपर उठा या ऊपर उठते ही विमान के पिछले हिस्से में आग की चमक और धुआं दिखाई दिया आदि आदि। यह भी बताया गया है कि पायलट ने उड़ान भरते ही ह्यमे डेह्न यानी खतरे का अलर्ट किया, जिसका मतलब है कि उड़ान भरते ही कोई तकनीकी खराबी आ गई, जो पायलट के कंट्रोल से बाहर थी। यह भी कहा गया कि विमान में सवा लाख लीटर ईंधन था, जिससे विमान बहुत वजनदार हो गया था और ज्यादा भार की वजह से विमान ऊपर नहीं उठ सका। लेकिन यह कोई कारण नहीं है क्योंकि हर बार ड्रीमलाइनर इतने ही ईंधन के साथ उड़ान भरते हैं। ध्यान रहे पूरी दुनिया में एक हजार ड्रीमलाइनर रोज उड़ान भरते हैं। ड्रीमलाइनर जहाज अब तक 50 लाख उड़ान भर चुके हैं और एक अरब यात्रियों ने इन विमानों से उड़ान भरी है। इसमें संदेह नहीं है कि विमान हादसे के पीछे ये सभी या इनमें से कुछ कारण हो सकते हैं। दुनिया के सबसे अनुभवी पायलटों में से एक और विमानों की सारी तकनीकी जानकारी रखने वाले कैप्टेन स्टीव ने हादसे के तीन कारण बताए हैं, जो तकनीकी भी हैं और मानवीय भूल की ओर भी इशारा करते हैं। तकनीकी कमी तो उन्होंने यह बताई है कि उड़ान भरते ही दोनों इंजन फेल हो गए हैं और ऐसा विमान में डाले गए ईंधन की वजह से भी हुआ हो सकता है। विमान में डाले जाने वाले ईंधन की गुणवत्ता पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। सो, इंजन अगर फेल हुए तो उसमें ईंधन की क्या भूमिका थी इसकी निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। कैप्टेन स्टीव की दूसरी थ्योरी यह है कि उड़ान भरने से पहले पायलट फ्लैप्स खोलना भूल गया हो।

ध्यान रहे फ्लैप्स विमान के पंखों का वह हिस्सा होते हैं, जो टेकऑफ के दौरान लिफ्ट बढ़ाते हैं, जिससे विमान आराम से उड़ सके और हवा में टिके। अगर पायलट इसे खोलना भूल जाएगा तो विमान हवा में नहीं टिकेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अब मुंबई-नांदेड़ के बीच दौड़ेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

रेल मंत्रालय ने दी मंजूरी

मुंबई। रेल मंत्रालय ने मुंबई से नांदेड़ और नांदेड़ से मुंबई के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा को मंजूरी देने का ऐतिहासिक और लंबे समय से प्रतीक्षित निर्णय लिया गया है। यह निर्णय सिख समाज और गुरु नानक लेवा संगत के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। पिछले कई वर्षों से महाराष्ट्र सिख एसोसिएशन (एमएसए) के नेतृत्व में लगातार मांग उठाई जा रही थी। अब यह सपना साकार हुआ है। यह घोषणा उन लाखों श्रद्धालुओं के लिए राहत और आनंद का कारण बनी है, जो तख़्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड की यात्रा करते हैं। जहां गुरु गोबिंद सिंह ने अपने जीवन के अंतिम क्षण बिताए थे। नई समय सारिणी के अनुसार, 20705 नांदेड़ से सुबह 5 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 2:25 बजे मुंबई पहुंचेगी। 20706 मुंबई से दोपहर 1:10 बजे प्रस्थान करेगी और रात 10:50 बजे नांदेड़ पहुंचेगी। महाराष्ट्र सिख

एसोसिएशन के संयोजक बल मलकीत सिंह ने कहा कि यह पूरे सिख समाज और गुरु नानक लेवा संगत के लिए ऐतिहासिक संतोष का क्षण है। हमने वर्षों तक इस मांग को दृढ़ता से विभिन्न मंचों पर उठाया था। आज गुरु महाराज की कृपा और संगत की एकता के चलते हमारी आवाज सुनी गई है। हम प्रधानमंत्री, केंद्र एवं राज्य सरकार और रेलवे बोर्ड का इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए दिल से आभार व्यक्त करते हैं। वंदे भारत सेवा लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक जीवन रेखा साबित होगी।

कोल्हापूर से मुंबई के लिए राज्य की 12वीं वंदे भारत ट्रेन : महाराष्ट्र में अब तक 11 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, और अब एक और ट्रेन जुड़ने वाली है। यह नई ट्रेन कोल्हापुर के छत्रपति शाहू टर्मिनस से मुंबई तक चलने वाली है। यह ट्रेन अगले 15 दिनों में दौड़ने लगेगी। इस ट्रेन में 8 डिब्बे होंगे और इसकी क्षमता 550 सीटों की होगी। राज्य में वर्तमान में निम्नलिखित मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। जिसमें मुंबई-सोलापुर, मुंबई-शिर्डी, मुंबई-जालना, मुंबई-गोवा, नागपुर-बिलासपुर, इंदौर-नागपुर, नागपुर-सिकंदराबाद, कोल्हापुर-पुणे, पुणे-हुबली मार्ग का समावेश रखा गया है।

जून माह शहादत दिवस पर विशेष

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के शहीद क्रांतिकारी अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून

1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में न केवल देशी शासकों और उनके सैनिकों ने बल्कि आम लोगों और आजीविका के लिए ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल हुए भारतीय सैनिकों ने भी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी। अपनी मातृभूमि के प्रति उनमें अनुकरणीय प्रेम था। अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून बिहार राज्य के अग्रणी धावकों में से थे, जिन्होंने 10 मई, 1857 को मेरठ से शुरू हुए भारतीय स्वतंत्रता के पहले युद्ध के तुरंत बाद युद्ध का बिगुल बजा दिया था। इन तीन सेनानियों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सशस्त्र विद्रोह जो वर्तमान झारखंड राज्य के देवगढ़ जिले के रोहिणी गाँव में ईस्ट इंडिया कंपनी आर्मी बेस में हुआ था। ये लड़ाके जो ईस्ट इंडिया कंपनी के सैनिक थे, उन्होंने अपने सह-सैनिकों में मातृभूमि के प्रति प्रेम और प्रशंसा को प्रेरित किया और एक विद्रोही सेना का गठन किया। उन्होंने 12 जून 1857 को अंग्रेजों के खिलाफ अपने प्रभाव में आने वाले लोगों के साथ विद्रोह का झंडा उठाया। उन्होंने अपने वरिष्ठों के सभी आदेशों की अवहेलना की और उनके रास्ते में खड़े सभी ब्रिटिश अधिकारियों और सैनिकों को मार डाला और सैन्य अड्डे में हंगामा खड़ा कर दिया। रोहिणी में इस घटना का पता चलने पर ईस्ट इंडिया कंपनी

के शीर्ष रैंक के सैन्य अधिकारी भारी दल के साथ रोहिणी गांव पहुंचे और विद्रोही सैनिकों को घेर लिया। उन्होंने तीन सैनिकों, अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून को पकड़ लिया, जो रोहिणी विद्रोह के लिए जिम्मेदार थे। इससे पहले कि रोहिणी विद्रोह की खबर अन्य क्षेत्रों में फैलती, उन्होंने आनन-फानन में कोर्ट मार्शल कर दिया। विक्टोरिया क्वीन के खिलाफ राजद्रोह के आरोप की पुष्टि की गई और अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून को मौत की सजा सुनाई गई। उन्हें 16 जून, 1857 को रोहिणी गांव में एक आम के पेड़ से सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। इस प्रकार अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून जो 1857 के दौरान वर्तमान झारखंड राज्य में पहले सशस्त्र विद्रोह के लिए जिम्मेदार थे, शहीद हो गए। झारखंड राज्य सरकार द्वारा निर्मित उनके चित्रों वाला स्मारक आज भी आगंतुकों को अमानत अली, सलामत अली और शेख हारून क्रांतिकारी को (शेख हारो के नाम से भी जाना जाता है) के बलिदान, साहस और साहस की भावना की याद दिलाता है।

फोटो स्रोत- मोहम्मद उमर असरफ द्वारा (स्रोतः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा) सं. हसरत अली शेरपुर जि. मुजफ्फरनगर उ. प्र. प्रस्तुति साजिद खान धनपुरी शहडोल म. प्र.

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में मूसलाधार बारिश से डूबा अंधेरी सबवे

मुंबई पुलिस अलर्ट पर है और सहायता के लिए तैयार है। आपात स्थिति के लिए 100, 112 या 103 डायल करें। वसई-विरार क्षेत्र में भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने कोंकण और उत्तर महाराष्ट्र के लिए भी भारी बारिश के अलर्ट जारी किए हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। रत्नागिरी को रेड अलर्ट, पालघर, ठाणे, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि तटीय क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश हो सकती है। उत्तर महाराष्ट्र में नासिक, आहिल्यानगर और जलगांव को येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, धुले और नंदुरबार में तेज हवाओं के साथ मूसलधार बारिश होने का अनुमान है, और इन दोनों जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम महाराष्ट्र के जिलों में फिलहाल कोई विशेष अलर्ट नहीं दिया गया है, लेकिन इस क्षेत्र में भी बारिश का जोर बढ़ सकता है। पुणे, सतारा और कोल्हापूर के घाट क्षेत्र में भारी बारिश हो सकती है। मराठवाड़ा के छत्रपति संभाजीनगर, बीड, लातूर, जालना, नांदेड, धाराशिव, हिंगोली और परभणी जिलों को येलो अलर्ट जारी किया गया है।

संतोष देशमुख हत्याकांड की सुनवाई टली

इस बीच, वाल्मीक कराड के वकीलों ने सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में उन्हें बरी करने की अर्जी दायर की थी। इस मामले की पिछली सुनवाई 3 जून को हुई थी। इस सुनवाई में सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की मौजूदगी अनिवार्य थी। पिछली सुनवाई में आरोपी वाल्मीक कराड के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के संबंध में महत्वपूर्ण दलील दी गई थी। वाल्मीकि कराड के वकीलों ने मांग की थी कि आरोपी के वकीलों को डिजिटल साक्ष्य मिले आज इसी मुद्दे पर फिर से बहस होने की संभावना थी। लेकिन, विशेष मकोका अदालत के न्यायाधीश के छुट्टी पर होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई है। बीड के मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई। इसके बाद जब उनका परिवार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने गया तो फडणवीस ने विराज देशमुख की शिक्षा की जिम्मेदारी ली। विराज देशमुख अब सांगली जिले के रेथेधरन स्थित सैन्य स्कूल में पढ़ाई करेंगे। इस संबंध में पत्र महेश सरपंच संतोष देशमुख के भाई धनंजय देशमुख को सौंपा गया, जो वर्षा के निवास पर मौजूद थे। इस अवसर पर औसा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अभिमन्यु पवार और विधायक सदाभाऊ खोत भी उपस्थित थे।

बंगाल के नागरिक को बना दिया अवैध बांग्लादेशी

इसके बावजूद पुलिस और बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल सरकार को सूचित करने की भी जहमत नहीं उठाई और शेख को बीएसएफ ने बांग्लादेश में धकेल दिया। शेख के परिवार से पता चला कि वे पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के भागाबंगोला के महिसास्थली ग्राम पंचायत क्षेत्र के हुसैननगर गांव के निवासी हैं। 36 वर्षीय महबूब शेख महाराष्ट्र में राजमिस्त्री का काम करता था। शेख के छोटे भाई मुजीबुर ने बताया कि वह पिछले 2 साल से महाराष्ट्र में काम कर रहा है। वह ठाणे के मीरा रोड इलाके में रहता था। 5 दिन पहले (11 जून) जब वह चाय पी रहा था, तब पुलिस ने उसे बांग्लादेशी होने के संदेह में पकड़ा था और सीधे कनकिया पुलिस स्टेशन ले गई थी। इस घटना के बाद परिवार परेशान हो गया। मुजीबुर ने कहा कि बाद में उसे भी कनकिया पुलिस स्टेशन बुलाया। हमने तुरंत स्थानीय पुलिस और प्रशासन के साथ-साथ हमारे पंचायत प्रधान और प्रवासी कल्याण बोर्ड को इसकी सूचना दी। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र पुलिस के संपर्क में हैं। शुक्रवार तक, परिवार ने महाराष्ट्र पुलिस को पंचायत से प्रमाणित वंशावली के साथ महबूब शेख का वोटर कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड जैसे सभी दस्तावेज भेज दिए थे। महिसस्थली ग्राम पंचायत के प्रधान शब्बीर अहमद ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि महबूब शेख को सिलीगुड़ी में बीएसएफ कैंप भेज दिया गया है, तो वे तुरंत वहां भी पहुंचे। मेरा भाई मुजीबुर कैंप पहुंचा, लेकिन हमें वहां नहीं रहने दिया। उन्होंने हमारी बात भी नहीं सुनी। परिवार से बात करते हुए पता चला कि महबूब शेख ने शनिवार (14 जून) को उन्हें फोन करके जानकारी दी कि बीएसएफ ने उसे सुबह 3.30 बजे बांग्लादेश में धकेल दिया है। उसके भाई ने बताया कि इसके बाद उसने एक गांव में शरण ली, जहां से उसने फोन किया। वह रो रहा था। उसकी पत्नी और तीन बच्चे हैं।

ऑनलाइन रम्मी ने किया 3 जिंदगियों का 'गेम ओवर'

उसे ऑनलाइन रम्मी खेलने की लत लग चुकी थी। शुरू में तो यह एक टाइमपास था, लेकिन धीरे-धीरे यह खेल ज़िंदगी का नाश बन गया। लक्ष्मण गेम में हजारों नहीं, बल्कि लाखों रुपये हार बैठा। कर्ज बढ़ता गया, तनाव गहराता गया। अपनी जमीन और प्लॉट तक बेच डाले, फिर भी कर्ज से राहत नहीं मिली। आर्थिक बोझ और मानसिक दबाव ने उसे भीतर से पूरी तरह तोड़ डाला। पुलिस के अनुसार रविवार की रात लक्ष्मण ने पहले अपनी पत्नी तेजस्विनी और दो वर्षीय बेटे को जहर देकर मार डाला। इसके बाद उसने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह जब घर का दरवाजा नहीं खुला, तो पड़ोसियों ने शक जताया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अंदर तीनों के शव पाए गए।

खबर संक्षेप

सांसद अशोक यादव का लापता बेटा बरामद

पटना। मधुबनी से भाजपा सांसद अशोक यादव के लापता बेटे को पुलिस ने बरामद कर लिया है। दरभंगा सदर के एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि टीम विभूति की तलाश में लगातार जुटी हुई थी। घर से लेकर सभी जगहों पर स्थित सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई।

वाड्रा को आज ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा को फिर से समन जारी किया है और 17 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। मनी लॉन्ड्रिंग के केस में एजेंसी प्रियंका गांधी वाड्रा के पति से पूछताछ करना चाहती है। यह मामला ब्रिटेन में बसे हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है और उससे रॉबर्ट वाड्रा के लिंक बताए जाते हैं।

ट्रेन में आग, फंसे युवक को सुरक्षित निकाला

पुणे। पुणे से दौंड जा रही शटल ट्रेन में अचानक आग लग गई। अचानक धुआं देखकर ट्रेन में अफरातफरी मच गई। आग ट्रेन के टॉयलेट में लगी थी। इस वजह से एक व्यक्ति शौचालय में ही फंस गया दरवाजा अंदर से लॉक हो गया था।

इस बार मोबाइल एप के जरिए होगी जनगणना

जनगणना और जातिगत गणना का नोटिफिकेशन जारी

35 लाख कर्मचारी 1 अक्टूबर 26 से शुरू करेंगे जनगणना और जातिगत गणना

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

जनगणना और जातिगत गणना होने जा रही है। रविवार को लंबी चली बैठक के बाद गृह मंत्रालय ने सोमवार सुबह जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना और जातीय गणना के लिए राजपत्र अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया। जनगणना मोबाइल ऐप के जरिए होगी। जनगणना और जातिगत गणना की प्रक्रिया चलेगी और इसमें मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कैसे किया जाएगा। जनगणना की पूरी प्रक्रिया 1 मार्च 2027 तक खत्म हो जाएगी, जो लगभग 21 महीनों में पूरी होगी। जनगणना का प्राइमरी डेटा मार्च 2027 में जारी हो सकता है, जबकि डिटेल जारी होने में दिसंबर 2027 तक का समय लगेगा। इसके बाद साल 2028 से लोकसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन शुरू होगा। वैसे तो यह जनगणना साल 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते उसे टाल दिया गया था। यह 16वीं जनगणना है, जबकि आज़ादी के बाद 8वीं जनगणना है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण के अलावा कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे थे। गृह मंत्रालय की ओर से जनगणना के बारे में बताया गया है कि जनगणना मोबाइल ऐप से की जाएगी।

जनगणना 2 चरणों में होगी और मार्च 2027 में इसका डेटा जारी होगा कहा जाए तो एक से डेढ़ साल का समय जनगणना करने में लगेगा

प्राइमरी डेटा मार्च 2027 में जारी हो सकता है डिटेल दिसंबर 2027 तक आएगी

2021 में होनी थी जनगणना कोरोना के चलते टाला

आज़ादी के बाद 8वीं और यह 16वीं जनगणना है

दो चरणों में होगी जाति और जनगणना

डिजिटली सेंसस करने के लिए करीब 35 लाख कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। 1.3 लाख पदाधिकारी जनगणना में सहयोग करेंगे। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 1 अक्टूबर 2026 तक जनगणना चलेगी। बाकी हिस्सों में 1 मार्च 2027 से गणना होगी। देश में दो चरणों में जनगणना कराई जाएगी। इसमें सामान्य जनगणना के साथ-साथ जातीय जनगणना भी शामिल होगी। पहला चरण 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा, जबकि दूसरा चरण 1 मार्च 2027 से देश के बाकी राज्यों में प्रारंभ किया जाएगा। पहले चरण में मकान सूचीकरण, प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। दूसरे चरण (जनसंख्या गणना) में घर के हर व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक विवरण एकत्र किए जाएंगे।

इस तरह पूछे जाएंगे सवाल

जनगणना का कार्यक्रम जितना दिखता है, उतना आसान नहीं है, क्योंकि यह सिर्फ भारत में रहने वाले लोगों की गिनती नहीं है। वृहद तौर पर देखा जाए तो यह भारत में कई पहलुओं को जानने का भी अवसर बनता है। मसलन देश में कितनी आबादी है, इसमें पुरुषों-महिलाओं की जनसंख्या कितनी है? साक्षरता दर कितनी है? किस धर्म के कितने लोग भारत में बसते हैं? भारत में प्रजनन दर कितनी है? अलग-अलग वर्गों की आर्थिक स्थिति कैसी है, आदि। यानी जनगणना लोगों की गिनती ही नहीं, बल्कि समाज के मूलभूत ढांचे को समझने का भी जरिया है।

आप खुद को कर सकेंगे रजिस्टर

जनगणना के लिए मोबाइल ऐप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। ऐप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। कमाल की बात है कि इसमें नागरिकों के लिए स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध होगी। स्व-गणना में आप स्वयं अपने या अपने परिवार के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। इसमें किसी जनगणनाकर्ता का सीधे हस्तक्षेप नहीं होता है।

जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी

देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

मौत से जंग जीतने के बाद अग्निवीर को सेना ने नहीं दी एंट्री

मुंबई हलचल / हैदराबाद

अग्निवीर अंकुर राणा ने 25 दिसंबर 2022 को सेना में भर्ती ली थी। उनका बेसिक ट्रेनिंग सेशन 1 जनवरी 2023 से हैदराबाद के आर्टिलरी सेंटर में शुरू हुआ लेकिन 27 जनवरी को उन्हें अचानक तबीयत खराब होने के कारण मेडिकल रूम में रिपोर्ट करना पड़ा। उनकी हालत गंभीर थी, इसलिए उन्हें सेना के अलग-अलग अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आखिरी में वे पुणे के एक आर्मी अस्पताल में भर्ती रहे, जहां से उन्हें 22 अप्रैल को छुट्टी मिली। उन्होंने 23 अप्रैल को फिर से ट्रेनिंग सेंटर जॉइन कर लिया, लेकिन तब तक वह 68 दिनों तक ट्रेनिंग से अनुपस्थित रह चुके थे जिस कारण उन्हें बाहर कर दिया था। अंकुर ने आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल लखनऊ में केस किया। उन्होंने कहा कि वे ड्यूटी पर ही थे क्योंकि वे सेना के ही अस्पताल में भर्ती थे।

सेना ने बताया बाहर करने का कारण

इस बेस पर सेना ने अंकुर को सेवा से बाहर कर दिया। उनका कहना था कि "अग्निपथ योजना" के नियमों के अनुसार अगर कोई अग्निवीर 30 दिन से ज्यादा ट्रेनिंग से दूर रहता है, तो उसे नौकरी से हटा दिया जाएगा। भले ही वो कारण बीमारी ही क्यों न हो। सेना की ट्रेनिंग कमांड की 17 नवंबर 2022 की नीति में ये साफ लिखा है कि कुल 30 दिन से ज्यादा की अनुपस्थिति पर सेवा खत्म की जा सकती है।

अदालत का फैसला, नियम सब पर लागू

ट्रिब्यूनल की बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति अनिल कुमार और वाइस एडमिरल अतुल कुमार जैन शामिल थे, ने इस याचिका को खारिज कर दिया। उनका कहना था कि अग्निपथ योजना के नियम साफ हैं, 30 दिन से ज्यादा की ट्रेनिंग से अनुपस्थिति किसी भी कारण से हो, वह गैरहाजिरी मानी जाएगी। इसलिए अंकुर राणा की सेवा समाप्त करने में कोई गैरकानूनी या गलत बात नहीं है।

पहलगाम आतंकवादी हमले की वैश्विक संस्था ने की कड़ी निंदा

पाकिस्तान की बढ़ेंगी मुश्किलें... एफएटीएफ ने माना पहलगाम हमले के पीछे पैसा और आतंकी फंडिंग जिम्मेदार

भारत के दावे को मिला समर्थन, बिना टेरर फंडिंग के नही हो सकता हमला

पहलगाम अटैक पर एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को लताड़ा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को वित्त-पोषित करने वाले तमाम स्रोतों पर नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी हमले को लेकर सोमवार को एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। जिसमें उसने न केवल इस हमले की कड़ी निंदा की है।

बल्कि यह भी स्वीकार किया है कि ये हमला बिना पैसे और आतंकी फंडिंग व नेटवर्क के संभव नहीं है। इसके अलावा एफएटीएफ ने कहा कि अब वो आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़े तमाम सहयोगी देशों द्वारा उठाए गए ठोस कदमों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। उधर, सिपरी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, परमाणु क्षमता के मामले में भारत की पाकिस्तान पर बढ़त बनी हुई है। भारत न केवल अपने परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ा रहा है। बल्कि उसके जखीरे में एडवांस परमाणु डिलीवरी सिस्टम भी शामिल हो रहे हैं। पिछले साल 2024 में भारत के परमाणु हथियारों की कुल संख्या 172 थी और मौजूदा वर्ष 2025 में यह बढ़कर 180 हो गए हैं।

आतंकियों ने की 26 लोगों की हत्या

यहां बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में कुल 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी थी। इनमें 25 भारतीय और एक नेपाल का रहने वाला नागरिक था। हमले के तुरंत बाद पाकिस्तान में मौजूद लश्करे-तैयबा के छद्म आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। वहीं, एफएटीएफ का ये बयान एक ऐसे समय पर सामने आया है। जब भारत लगातार वैश्विक संस्थाओं, संगठनों के समक्ष आतंकवाद के मामले पर पाकिस्तान को बेनकाब करने में लगा हुआ है। उसकी तरफ से एफएटीएफ के सामने पाकिस्तान को एक बार फिर से आतंकवाद से जुड़ी ग्रे लिस्ट में डालने की कवायद भी जारी है।

एफएटीएफ प्रमुख का बयान

एफएटीएफ प्रमुख एलिसा मद्राजो ने अपने एक बयान में इस बात का जिक्र किया था कि आतंकियों को केवल एक बार सफल होना होता है। लेकिन हमें उन्हें बार-बार रोकना होता है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई किसी देश, कंपनी या संस्था के खिलाफ नहीं है। यह सभी देशों की साझा जंग है।

ग्रे लिस्ट को लेकर डोजियर की तैयारी

सूत्रों ने बताया कि भारत, पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की प्रक्रिया का आगाज करने वाला है। इसके लिए वह आगामी दो बैठकों (25 अगस्त की एशिया प्रशांत समूह, 20 अक्टूबर को एफएटीएफ की बैठक) के दौरान पाकिस्तान के आतंकी कनेक्शनों पर करारी चोट करने के लिए एक व्यापक डोजियर सौंप सकता है। जिसकी वर्तमान में तैयारी जारी है। गौरतलब है कि एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट के साथ पाकिस्तान का नाता बहुत पुराना है। सबसे पहले उसे 2008 में इसमें डाला गया था। लेकिन दो साल बाद 2010 में वह बाहर आ गया था। 2012 में फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में पाक को डाला गया, 2015 में वह बाहर आया। इसके बाद 2018 में पाकिस्तान को पुनः एफएटीएफ ने फिर से अपनी ग्रे लिस्ट में डाला।

ममता का भाजपा पर आरोप

बंगाली बोलने वाले भारतीयों को बांग्लादेशी बताया जा रहा

मुंबई हलचल / कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सीएम ममता बेनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया। ममता बेनर्जी ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। उनको बांग्लादेशी बताकर गलत कार्रवाई की जा रही है। आलम यह है कि जिन बंगालियों के पास वैध दस्तावेज हैं, उनको भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी कहा जा रहा है। इसके बाद भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। ममता ने कहा कि भाजपा को शर्म आनी चाहिए कि वे वास्तविक भारतीय नागरिकों को सिर्फ उनकी भाषा के आधार पर बांग्लादेशी बता रहे हैं। बंगाली के साथ-साथ गुजराती, मराठी और हिंदी में बोलने में भी गर्व महसूस होना चाहिए। अगर आप मुझसे पूछें तो मैं इन सभी भाषाओं में बोल सकती हूं। भारतीयों को उनके द्वारा बोले गए शब्दों के कारण बांग्लादेशी बता रहे हैं। और दूसरी ओर आप इन लोगों को, जिनके पास मतदाता पहचान पत्र, पैन और आधार कार्ड हैं, अपने राज्यों में आजीविका कमाने के अधिकार से वंचित कर रहे हैं।

केंद्र की नीतियां रंग ला रहीं

वैश्विक आर्थिक अनिश्चतताओं के बीच महंगाई दर घटी, खाद्य पदार्थों में मिलेगी राहत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत की थोक महंगाई दर घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई। जो मार्च 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। इस साल के अप्रैल के 0.85 फीसदी की तुलना में उल्लेखनीय कमी को दर्शाता है। इस गिरावट का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, विशेष रूप से सब्जियों, प्याज और दालों की कीमतों में कमी, साथ ही ईंधन और बिजली क्षेत्र में अपेक्षाकृत स्थिति मांग और आपूर्ति के फार्मूले परै।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों इस बात की गवाही दे रहे हैं कि लोगों की थाली पहले से सस्ती होगी। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में राहत के आसार हैं। थोक खाद्य महंगाई दर मई में घटकर 1.72 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 2.55 फीसदी थी। सब्जियों की कीमतों में विशेष रूप से कमी आई, जिससे थोक महंगाई दर को नियंत्रित करने में मदद मिली। सब्जियों की जान माने जाने वाले आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में कमी दर्ज की गई। बीच में जरूर टमाटर ने कुछ रंग दिखाए थे। मगर, मूल्य फिर भी स्थिर रखने में केंद्र सरकार कामयाब रही है। महंगाई की वजह से थाली से गायब हो रही दालों की महंगाई दर भी 10.41 फीसदी से घटकर 5.57 फीसदी हो गई, और अनाज की कीमतें 3.81 फीसदी से घटकर 2.56 फीसदी हो गईं। ईंधन और बिजली क्षेत्र में महंगाई दर कमी आई है।

खुदरा महंगाई में भी कमी दर्ज की गई है। समानांतर रूप से, मई में खुदरा महंगाई दर भी छह साल के निचले स्तर 2.82 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 3.16 फीसदी थी। यह मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में नरमी के कारण हुआ। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अप्रैल की बैठक में महंगाई में कमी को नोट किया और वित्तीय वर्ष 2026 के लिए महंगाई अनुमान को 4.2 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर दिया। समिति ने कहा कि खाद्य कीमतों में नरमी से महंगाई में और कमी की उम्मीद है। बैंक ने बेंचमार्क रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा है, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

हालांकि खाद्य और ईंधन की कीमतों में कमी से राहत मिली है, फिर भी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्मी के महीनों में तापमान बढ़ने से सब्जियों और फलों की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं, जिससे महंगाई पर दबाव पड़ सकता है।

इसके अलावा, कमजोर रुपये, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, और विदेशी निवेश में कमी जैसे कारक भारत की आर्थिक स्थिरता के लिए लगातार जोखिम बने हुए हैं।

एयर इंडिया विमान पर साइबर हमला? संजय राउत ने दागे बड़े सवाल, पवार बोले- तथ्यों पर दें ध्यान

मुंबई। गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद विपक्ष ने सरकार पर धावा बोल दिया है। विपक्ष सरकार से लगातार इस हादसे के पीछे जिम्मेदार इंसान को सामने लाने की मांग कर रहा है। इस दुर्घटना को लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने विमान में साइबर हमला होने की भी आशंका जताई है। साथ ही विमान के रखरखाव पर भी सवाल उठाया है। इन सवालों ने हादसे को एक नया मोड़ देने की कोशिश की है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन अहमदाबाद में उड़ान भरने के 30 सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान में तोड़फोड़ को लेकर गंभीर सवाल हैं। क्या किसी दुश्मन देश द्वारा विमान के सिस्टम पर कोई साइबर हमला किया गया था, क्योंकि वे अपने साइबर हमलों से हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं?

भारत समेत 24 देशों की सेना कर रही हैं सैन्य अभ्यास 'ख़ान क्वेस्ट'

कई देशों के साथ भारत के रणनीतिक संबंध होंगे मजबूत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत और अमेरिका समेत 24 देशों की सेनाएं एक महत्वपूर्ण बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना का सैन्य अभ्यास 'ख़ान क्वेस्ट' कर रही हैं। यह अभ्यास मंगोलिया के फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में चल रहा है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के साथ साझेदारी में यह अभ्यास शांति स्थापना में सैन्य कौशल को निखारने के लिए 24 देशों की सैन्य टुकड़ियों को एक साथ लाया है। इस मल्टीनेशनल संयुक्त सैन्य अभ्यास में भारत व अन्य देशों की सेनाएं महत्वपूर्ण अभ्यास कर रही हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'खान क्वेस्ट' सैन्य अभ्यास 28 जून 2025 तक चलेगा।

इसका उद्देश्य विभिन्न देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा यह अभ्यास इन 24 देशों को आपस में सीखने की प्रक्रिया के बारे में प्रोत्साहित करता है और बहुराष्ट्रीय समन्वय को मजबूती दे रहा है। इस अभ्यास के दौरान संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में कार्य संचालन और मानवीय राहत अभियानों का अभ्यास किया जा रहा है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में सिविल-मिलिट्री समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये सभी प्रशिक्षण गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के नियमों के तहत की जा रही हैं।

मंगोलिया के फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में चल रहा है अभ्यास

संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में सिविल-मिलिट्री समन्वय पर हो रहा प्रशिक्षण

द्विपक्षीय सैन्य समझौतों को मिलेगी और मजबूती

सेना का मानना है कि इस अभियान में भारत की सहभागिता उसके यूएन शांति रक्षा के समृद्ध अनुभव को दर्शाती है। वहीं, मंगोलिया के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों को भी यह अभ्यास मजबूत कर रहा है। यह अभ्यास हाल ही में मंगोलिया में संपन्न हुए 'नोमैडिक एलीफैंट 2025' अभ्यास की सफलता पर आधारित है। नोमैडिक एलीफैंट से द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को और मजबूती मिली है। अभ्यास के दौरान भारतीय सैन्य दल विश्व के अन्य देशों की सेनाओं के साथ यथार्थ-आधारित परिदृश्यों में प्रशिक्षण कर रहा है। इससे न केवल विभिन्न देशों के बीच सामरिक समन्वय मजबूत होगा, बल्कि आपसी विश्वास, मित्रता और साझी प्रतिबद्धता की भावना को भी बल मिलेगा।

उलानबटार में 14 जून को हुआ था शुरू

बता दें, मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में स्थित फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में 14 जून को यह बहुराष्ट्रीय शांति रक्षा अभ्यास 'खान क्वेस्ट 2025' शुरू हुआ था। मंगोलियाई सशस्त्र बलों की ओर से यूएस इंडो-पैसिफिक कमान के सहयोग से आयोजित इस अभ्यास में 24 देशों की सैन्य टुकड़ियां भाग ले रही हैं। 'खान क्वेस्ट 2025' का मुख्य अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत शांति रक्षा अभियानों के लिए समन्वय एवं क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गौतमी मेडफोर्ड एन एक्स होस्पिटल का मुंब्रा में शानदार उद्घाटन हुआ

अब मुंब्रा में एक और गौतमी मेडफोर्ड एन एक्स के रूप में नई टेक्नोलॉजी के साथ होस्पिटल की शुरूआत

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर ठाणे। मुंब्रा में रेलवे स्टेशन के करीब मुंब्रा पोलिस स्टेशन के सामने सम्राट नगर में तारीख 15 जुन 2025 को गौतमी मेडफोर्ड एन एक्स होस्पिटल का मुंब्रा में शानदार उद्घाटन सय्यद मोईन मिंया के बिहाबपर उनके छोटे भाई हजरत सुफीए मिल्लत सय्यद हुसैन अशरफ के हाथों से रिबीन काट किया गया। इस मौके पर मुख्य महेमानों में एम एल ए जितेंद्र आवहाद, ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफीसर, वाईस प्रेसिडेंट फरीद नुरी (जरिवाला), मुंब्रा कौसा मेमन जमात के होदेदारान, समेत मुंब्रा और आस पास के की नामी गिरामी शख्सियात मौजूद रहे। आप को बता दें की पिछले कई

सालों से मुंब्रा में गौतमी होस्पिटल चल रही है जिसमें डॉक्टर राजेश यशवंत पाटील और डॉक्टर वेदांती पाटील (उर्फ गौतमी पाटील) सेवा निभा रहे हैं। लेकिन जमाना बदल रहा है और जमाने के साथ साथ टेक्नोलॉजी भी बदल रही है जिसके चलते मेडफोर्ड होस्पिटल के डायरेक्टर मेराज नुरी जरिवाला और फरीद नुरी जरिवाला के साथ मिलकर इस होस्पिटल को एक नये तरीके से नई टेक्नोलॉजी के साथ रि डेवलपमेंट करके गौतमी मेडफोर्ड एन एक्स होस्पिटल के नाम से इस का उद्घाटन किया गया राजेश पाटील ने 15 जुन फादर डे के चलते अपनी बेटी डॉक्टर वेदांती पाटील (उर्फ गौतमी पाटील) को बतौर गिफ्ट दिया है। अब इस होस्पिटल में डॉक्टर राजेश यशवंत पाटील और डॉक्टर वेदांती पाटील (उर्फ गौतमी पाटील) के साथ डॉक्टर मेराज नुरी जरिवाला, डॉक्टर अजहर खान एक साथ मिलकर होस्पिटल में मरिजों के लिए सेवा देंगे। इस होस्पिटल में मिडल क्लास फेमिली और जरुरतमंदों को किफायती दामों में होस्पिटल का फायदा दिया जाएगा, एम एल ए जितेंद्र आवहाद ने फरीद नुरी जरिवाला डॉक्टर मेराज नुरी जरिवाला डॉक्टर अजहर खान को मुबारकबादी देते हुए बताया की मुंब्रा की जनता के लिए ये एक बहुत ही अच्छा होस्पिटल रहेगा और इस का फायदा सबको दिया जाएगा। वहीं ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफीसर ने भी देश के 15 लाख मेमन समाज और 550 मेमन जमात की जानिब से मुबारकबादी देते हुए बताया कि इस होस्पिटल में जो भी मरिज आए वो यहां से सिफा होकर तंदुरुस्त हो कर जाएं।

डॉक्टर की बड़ी लापरवाही आई सामने, अंतिम संस्कार की तैयारी के बीच धड़क उठा दिल

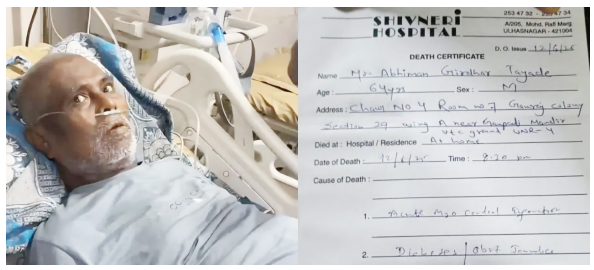

उल्हासनगर। उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4 परिसर स्थित निजी क्षेत्र के शिवनेरी अस्पताल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आयी है। जिसमें अस्पताल के डॉक्टरों ने इलाज के लिए भर्ती अभिमान तायड़े (उम्र 65) नामक जीवित एक मरीज को मृत घोषित कर दिया। इतना ही नहीं बल्कि उस जीवित व्यक्ति का मृत्यु के कारण के साथ प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया। इस मामले के बाद उस व्यक्ति के परिजन मृतक के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में जुट गए। लेकिन सच्चाई जब सामने आई तब सभी के होश उड़ गए।इस घटना से शहर में चिकित्सा क्षेत्र में लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अभिमान तायड़े की तबीयत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी और उनका मुंबई के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। घटना वाले दिन वह उल्हासनगर स्थित अपने घर में थे कि इस बीच घर में ही अभिमान तायडे अचानक बेहोश हो गए। उनका बेटा उन्हें रिक्शे में बैठाकर उल्हासनगर के शिवनेरी अस्पताल ले गया। वहां डॉ. आहूजा ने रिक्शे में ही मरीज की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल से सीधे मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। बेहोशी की हालत में परिजन अभिमान को मृत समझकर घर ले गए। अभी अंतिम संस्कार की तैयारी चल ही रही थी कि तभी परिजनों ने देखा कि अभिमान की सांसे चल रही है। जांच की तो पता चला कि उसका दिल भी धड़क रहा है। उन्होंने तुरंत उल्हासनगर के एक अन्य निजी अस्पताल में अभिमान को भर्ती कराया। वहां जैसे ही डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, अभिमान तायड़े को होश आ गया। ये देख परिजनों ने राहत की सांस ली क्योंकि उनके घर के प्रमुख मौत से बच गए थे।

बेरोजगारी दर मई में बढ़कर 5.6 फीसदी पर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश में मई के दौरान मौसमी उतार-चढ़ाव की वजह से बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल महीने में 5.1 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

- **महिलाओं पर दिखा अधिक असर**
- **माह अप्रैल में 5 .1 प्रतिशत थी**

बेरोजगारी दर में यह वृद्धि मुख्य रूप से मौसमी बदलावों और देश के कुछ हिस्सों में पड़ी अत्यधिक गर्मी के कारण देखने को मिली है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) सर्वेक्षण में दर्ज आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2025 के दौरान सभी आयु वर्गों में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई। सीडब्ल्यूएस सर्वेक्षण की तिथि से पहले के सात दिनों की अवधि में निर्धारित गतिविधियों को दर्शाता है। मंत्रालय ने रोजगार की स्थिति की सही तस्वीर दर्शाने के लिए पिछले महीने पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया था। नवीनतम सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले महीने पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में थोड़ी अधिक 5.8 प्रतिशत थी। युवाओं पर बेरोजगारी की अधिक मार देखने को मिली है। मई में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 15-29 आयु वर्ग के लिए बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 13.8 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल के 17.2 प्रतिशत से बढ़कर मई में 17.9 प्रतिशत हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह पिछले महीने के 12.3 प्रतिशत से बढ़कर 13.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। खासकर, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर पूरे देश में बढ़कर 16.3 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 14.4 प्रतिशत थी।

15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की श्रम भागीदारी घटी

पुरुषों में इसी आयु वर्ग के लिए यह दर 13.6 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों से यह भी सामने आया है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) मई में घटकर 54.8 प्रतिशत रह गई जो अप्रैल में 55.6 प्रतिशत थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी कामगारों की संख्या घटी

ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी दर 58 प्रतिशत से घटकर 56.9 प्रतिशत रह गई जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.7 प्रतिशत से घटकर 50.4 प्रतिशत पर रही। महिला श्रमबल भागीदारी दर में गिरावट खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी कामगारों और अवैतनिक सहायकों के रूप में काम करने वाली महिलाओं की संख्या में गिरावट से जुड़ी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पेशल ऑप्स 2 : जियोहॉटस्टार पर 11 जुलाई से शुरू होगी डिजिटल जंग, हिम्मत सिंह की दमदार वापसी

युद्ध अब डिजिटल है, खतरा अदृश्य है। लेकिन संरक्षक वही है : हिम्मत सिंह

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जब दुश्मन परदे के पीछे छिपकर वार करता है और कोई आवाज नहीं होती, तब हालात को समझकर सुलझाने वाला बस एक ही शख्स होता है–हिम्मत सिंह। जियोहॉटस्टार ने अपनी बहुचर्चित सीरीज स्पेशल ऑप्स के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च कर दिया है, जिसमें असल मुद्दों को रोमांचक अंदाज में पेश किया गया है। केके मेनन एक बार फिर आरएंडएडब्ल्यू अधिकारी हिम्मत सिंह के किरदार में लौट रहे हैं। यह नया सीजन पहले से कहीं ज्यादा गंभीर, गहराई से भरा और अत्यावश्यक मिशन के साथ तैयार है। एक अस्थिर वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में सेट स्पेशल ऑप्स 2 आज की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं को उजागर करता है।

युद्ध अब सीमाओं पर नहीं बल्कि क्लाउड में लड़े जा रहे हैं, और दुश्मन हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी में शामिल हो चुका है। जैसे-जैसे समन्वित साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती देने लगते हैं, हिम्मत सिंह और उनकी विशेष टीम एक खामोश जंग में कूद पड़ती है–एक ऐसी लड़ाई जिसमें न तो कोई शोर है, न धुआं और न ही कोई साफ निशान, लेकिन असर पूरी तरह झकझोर देने वाला है। शिवम नायर के निर्देशन में बनी इस सीरीज में प्रकाश राज, विनय पाठक, करण टैकर, सायमी खेर, मुजम्मिल इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं, जो स्पेशल ऑप्स 2 की दुनिया में गहराई और बारीकी लेकर आते हैं। अपनी भरोसेमंद टीम के साथ, हिम्मत एक ऐसे छिपे दुश्मन को रोकने की कोशिश करता है, जो कोई नियम नहीं मानता, कोई सुराग नहीं छोड़ता और हमेशा एक कदम आगे रहता है। ताहिर राज भसीन द्वारा निभाये गये नये खलनायक की भूमिका, वैश्विक स्तर की कहानी, पेचीदा साजिश और शानदार अभिनय के साथ, स्पेशल ऑप्स सीजन 2 ने 11 जुलाई को रिलीज के लिए एक रोमांचक माहौल बनाया है। इस बार, जंग हर जगह है! जियोस्टार के आलोक जैन ने कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के साथ हमने रोमांचक, साहसिक और असरदार कहानियाँ पेश करने के अपने वादे को निभाया है। यह सीजन सिर्फ एक लोकप्रिय सीरीज की वापसी नहीं है, बल्कि मौजूदा साइबर खतरों और डिजिटल युद्ध के जटिल माहौल के लिए एक प्रासंगिक और सिनेमाई प्रतिक्रिया भी है। जियोहॉटस्टार में हमारा फोकस ऐसी कहानियाँ लाने पर है जो न सिर्फ दर्शकों से जुड़ें, बल्कि आज की दुनिया को भी सच्चाई से दिखाएं।

निर्माता नीरज पांडे ने कहा, यह सीजन हमारे समय की उस हकीकत को दिखाता है जिसमें दुश्मन बिना चेतावनी के सामने आता है। नए दौर की जंग ने खतरे, सुरक्षा और बलिदान की हमारी सारी समझ को बदल कर रख दिया है। स्पेशल ऑप्स 2 उस अदृश्य युद्ध की कहानी है, जो तब तक नजर नहीं आता जब तक वह हमारी ज़िंदगी को प्रभावित न कर दे। यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी लड़ाइयाँ बिना एक भी गोली चले लड़ी जाती हैं–लेकिन उनका असर उतना ही गहरा और विनाशकारी होता है। प्रसिद्ध किरदार हिम्मत सिंह की भूमिका निभा रहे बहुमुखी अभिनेता केके मेनन ने कहा, हिम्मत सिंह हमेशा साहस, बुद्धिमत्ता और अनुभव के बल पर लड़ते आए हैं। लेकिन इस बार की जंग दिखाई नहीं देती–खतरे बड़े हैं और अनजाने भी, जिसने इस सीजन को न सिर्फ प्रासंगिक बल्कि मेरे लिए बेहद निजी अनुभव बना दिया है। हिम्मत के कंधों पर ज़िम्मेदारी, बलिदान और कई अनकही बातों का बोझ है। इस बार मुझे सिर्फ एक रणनीतिकार नहीं, बल्कि उस मिशन के पीछे छिपे इंसान को भी निभाने का अवसर मिला–एक पिता, एक देशभक्त और एक सच्चा रक्षक।

निर्देशक शिवम नायर ने कहा, स्पेशल ऑप्स 2.0 के साथ हमने हर स्तर पर अपनी कहानी कहने की गुणवत्ता को और ऊपर उठाया है-चाहे वह स्केल हो, स्टोरीटेलिंग की शैली हो या इसकी तीव्रता। यह सीजन हमें उस दुनिया में ले जाता है, जहां खुफिया अभियानों का सीधा टकराव एआई, डिजिटल युद्ध और साइबर सुरक्षा के तेजी से बदलते परिदृश्य से होता है। यह सिर्फ रोमांचक नहीं है, बल्कि मौजूदा समय के लिए बेहद प्रासंगिक भी है। नीरज पांडे के साथ दोबारा काम करना रचनात्मक रूप से बहुत फायदेमंद रहा, और हमने मिलकर कुछ ऐसा बनाया है जो जरूरी भी है और सिनेमाई भी। हम जियोहॉटस्टार के साथ एक बार फिर साझेदारी कर इसे दर्शकों तक लाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। विनय पाठक (अब्बास शेख) ने कहा, स्पेशल ऑप्स 2 में खतरा धमाकों के साथ नहीं आता, बल्कि वो रोजमर्रा की ज़िंदगी में चुपचाप दाखिल हो जाता है। यही इस सीजन को इतना असरदार बनाता है। यह हमें दिखाता है कि एक बेहद जुड़े हुए डिजिटल दौर में हम कितने असुरक्षित हैं। अब्बास के किरदार को फिर से निभाना मेरे लिए घर लौटने जैसा रहा, लेकिन इस बार दांव और भी ऊंचे हैं। उसकी बुद्धिमत्ता और मौज-मस्ती को अब खतरे की गंभीरता के साथ संतुलित करना पड़ा, जिससे यह सफर और भी यादगार बन गया। करण टैकर (फारूक अली) ने कहा, फारूक अब पहले से ज्यादा परिपक्व हो गया है और उसका मिशन भी बड़ा हो गया है। इस सीजन ने हमें बंदूकों और वेशभूषा से आगे सोचने पर मजबूर किया। असली तनाव इसमें है कि अगला हमला कहां से होगा–क्योंकि दुश्मन अदृश्य है। इस शो में वापसी करके मुझे गर्व महसूस हो रहा है और मैं नीरज पांडे और जियोहॉटस्टार का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने भारतीय कहानियों को निडरता से नई सीमाओं तक पहुंचाया। ताहिर राज भसीन (खलनायक) ने कहा, स्पेशल ऑप्स की दुनिया से जुड़ना एक रोमांचक अनुभव रहा।

इस किरदार ने मुझे मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से चुनौती दी, और इसके लिए मैं नीरज पांडे और जियोहॉटस्टार का भरोसे के लिए शुक्रगुजार हूं। इस खलनायक को निभाना इसलिए खास है क्योंकि यह पूरी तरह जमीन से जुड़ा और आज के दौर का किरदार है। वह बंदूक नहीं, बल्कि कोड, डेटा और लोगों के अंधे विश्वास का इस्तेमाल करता है–यही उसे वाकई खतरनाक बनाता है। वह कोई काल्पनिक चरित्र नहीं है, बल्कि आज की दुनिया में हमारे बीच मौजूद है। शुरू हो चुकी है उलटी गिनती जियोहॉटस्टार पर स्पेशल ऑप्स 2 की स्ट्रीमिंग 11 जुलाई से शुरू होगी। इस बार जंग हर जगह है–और हिम्मत सिंह तैयार है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अरुणा ईरानी का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की अनुभवी अदाकारा अरुणा ईरानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी निजी और प्रोफेशनल ज़िंदगी से जुड़े कई बड़े खुलासे किए हैं। कैंसर से लड़ाई के अलावा उन्होंने दिग्गज एक्ट्रेस रेखा को लेकर भी एक चौंकाने वाला किस्सा साझा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। अरुणा ईरानी ने बताया कि उन्होंने रेखा के साथ फिल्म औरत औरत औरत में काम किया था। इस फिल्म को बनने में छह साल लग गए। अरुणा के मुताबिक, इस फिल्म में उनका बहुत मजबूत और सेंट्रल रोल था। ऐसा रोल हर एक्ट्रेस करना चाहेगी। लेकिन फिल्म में कई हिस्सों को काटना पड़ा, क्योंकि कुछ लोगों को मेरा रोल बहुत अच्छा लग रहा था। रेखा जी उस कट के पीछे थीं। वो कहती थीं कि अरुणा ईरानी का रोल बहुत उभर रहा है। सबसे बड़ा खुलासा तब हुआ जब अरुणा ने कहा कि रेखा ने उन्हें एक और फिल्म से निकलवा दिया था। यह फिल्म थी मंगलसूत्र। अरुणा ने बताया कि मैंने वह फिल्म साइन की थी और साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था, लेकिन बाद में मुझे फिल्म से निकाल दिया गया। जब मैंने प्रोड्यूसर से पूछा, तो उन्होंने साफ कहा कि रेखा जी आपको फिल्म में नहीं चाहती थीं। जब अरुणा ने खुद रेखा से इस बारे में पूछा, तो रेखा ने जो जवाब दिया, वो काफी चौंकाने वाला था।

एयर इंडिया में उड़ान भरने की पोस्ट पर ट्रोल हुई रवीना टंडन

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने एयर इंडिया के विमान में बैठकर उड़ान भरी और साथ ही उन्होंने अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार के लिए संवेदना जताई, तो वहीं एयर इंडिया के सपोर्ट में उन्होंने ढेर सारी बातें लिखी है। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपनी तस्वीर के साथ इस पोस्ट को शेयर किया है, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स रवीना टंडन से तीखा सवाल पूछते हुए नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि एयर इंडिया के सपोर्ट में की गई उनकी पोस्ट सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गई है। सोशल मीडिया पर एयर इंडिया के विमान से उड़ान भरते वक्त ली गई तस्वीर वाली रवीना टंडन की पोस्ट पर यूजर्स ने तरह-तरह के कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है कि अपने 11 ए सीट तो बुक नहीं की? वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, गुड लक मैडम। एक अन्य यूजर में लिखा कि सवाल पूछने के बजाय सेलिब्रिटी एयर इंडिया की तारीफ कर रहे हैं, क्या उन्हें ऐसा करने के लिए पैसा मिल रहा है? रवीना की पोस्ट पर ऐसे ढेरों कमेंट्स मौजूद हैं। नई शुरूआतङ्क सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उठना और उड़ान भरनाङ्क सब कुछ फिर से शुरू करना, अधिक शक्ति की ओर नया संकल्प। माहौल गंभीर था और चालक दल के सदस्यों की मुस्कान दुख से रंगी हुई थी। मौन यात्री और चालक दल के सदस्य मौन संवेदना और सूक्ष्म आत्मविश्वास के साथ जुड़े हुए थे। उन परिवारों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा।